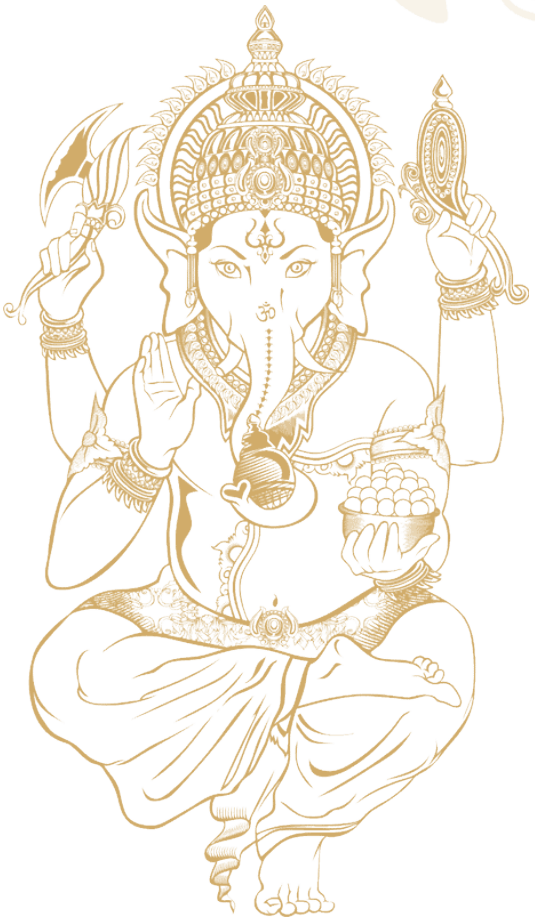

??????? ????

10 Feb 1968

02:15 AM

Azamgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121236818

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/02/1968**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	49:02:32 घटी
स्थान	**Azamgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:03:00 उत्तर
रेखांश	83:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:17:40 घंटे
वेलान्तर	-00:14:17 घंटे
साम्पातिक काल	11:33:43 घंटे
सूर्योदय	06:37:59 घंटे
सूर्यास्त	17:45:22 घंटे
दिनमान	11:07:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:45:59 मकर
लग्न के अंश	19:48:51 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	19:48:51	315:10:26	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
सूर्य			मक	26:45:59	01:00:43	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	03:35:10	12:21:04	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मीन	01:00:14	00:46:12	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
बुध	व		कुंभ	07:57:53	00:33:57	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	08:50:39	00:07:35	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			धनु	23:53:17	01:13:36	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मीन	15:31:21	00:05:49	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
राहु	व		मीन	27:24:14	00:07:12	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	27:24:14	00:07:12	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कन्या	05:12:50	00:01:51	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
नेप			वृश्चि	03:02:01	00:00:36	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		सिंह	28:54:58	00:01:18	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	29:26:01	--	उ०फाल्गुनी	--	12	सूर्य	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:24:37

लग्न-चलित

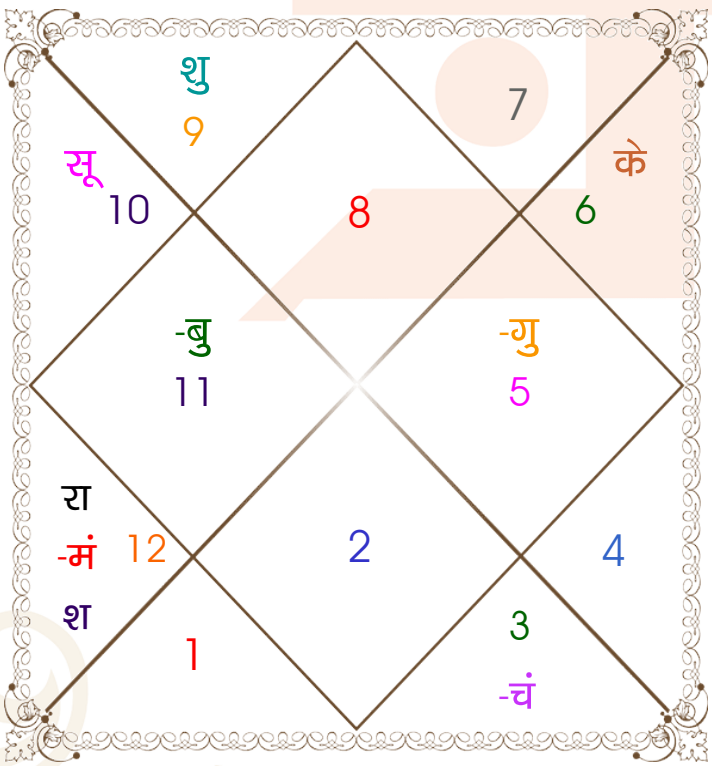

चन्द्र कुंडली

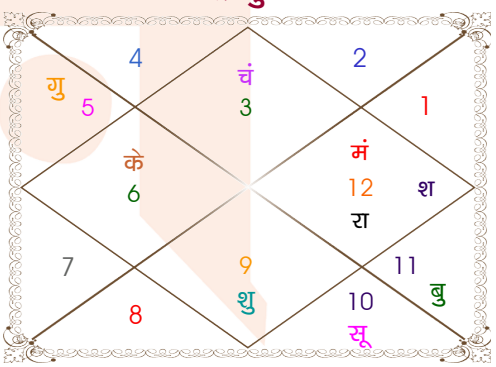

नवमांश कुंडली

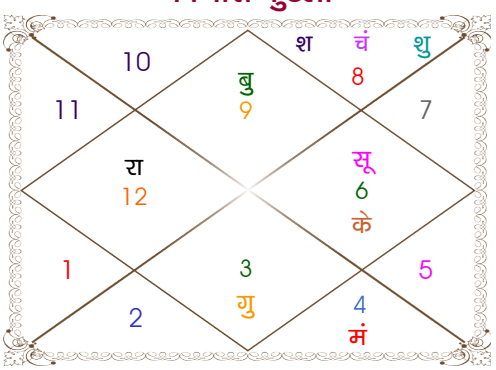

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 7 मास 12 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/02/1968		22/09/1969		23/09/1987		23/09/2003		23/09/2022	
22/09/1969		23/09/1987		23/09/2003		23/09/2022		23/09/2039	
	00/00/0000	राहु	04/06/1972	गुरु	10/11/1989	शनि	26/09/2006	बुध	18/02/2025
	00/00/0000	गुरु	29/10/1974	शनि	23/05/1992	बुध	05/06/2009	केतु	15/02/2026
	00/00/0000	शनि	04/09/1977	बुध	29/08/1994	केतु	15/07/2010	शुक्र	16/12/2028
	00/00/0000	बुध	23/03/1980	केतु	05/08/1995	शुक्र	13/09/2013	सूर्य	23/10/2029
	00/00/0000	केतु	11/04/1981	शुक्र	05/04/1998	सूर्य	26/08/2014	चंद्र	24/03/2031
	10/02/1968	शुक्र	11/04/1984	सूर्य	22/01/1999	चंद्र	26/03/2016	मंगल	20/03/2032
शुक्र	16/10/1968	सूर्य	05/03/1985	चंद्र	23/05/2000	मंगल	05/05/2017	राहु	08/10/2034
सूर्य	21/02/1969	चंद्र	04/09/1986	मंगल	29/04/2001	राहु	11/03/2020	गुरु	13/01/2037
चंद्र	22/09/1969	मंगल	23/09/1987	राहु	23/09/2003	गुरु	23/09/2022	शनि	23/09/2039

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/09/2039		23/09/2046		23/09/2066		22/09/2072		23/09/2082	
23/09/2046		23/09/2066		22/09/2072		23/09/2082		00/00/0000	
केतु	19/02/2040	शुक्र	22/01/2050	सूर्य	10/01/2067	चंद्र	23/07/2073	मंगल	19/02/2083
शुक्र	20/04/2041	सूर्य	22/01/2051	चंद्र	12/07/2067	मंगल	21/02/2074	राहु	08/03/2084
सूर्य	26/08/2041	चंद्र	22/09/2052	मंगल	17/11/2067	राहु	23/08/2075	गुरु	12/02/2085
चंद्र	27/03/2042	मंगल	22/11/2053	राहु	10/10/2068	गुरु	22/12/2076	शनि	24/03/2086
मंगल	23/08/2042	राहु	22/11/2056	गुरु	30/07/2069	शनि	24/07/2078	बुध	21/03/2087
राहु	11/09/2043	गुरु	24/07/2059	शनि	12/07/2070	बुध	23/12/2079	केतु	17/08/2087
गुरु	17/08/2044	शनि	23/09/2062	बुध	18/05/2071	केतु	23/07/2080	शुक्र	10/02/2088
शनि	25/09/2045	बुध	23/07/2065	केतु	23/09/2071	शुक्र	24/03/2082		00/00/0000
बुध	23/09/2046	केतु	23/09/2066	शुक्र	22/09/2072	सूर्य	23/09/2082		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 7 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।